GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, CHOMU (JAIPUR)

Department of Home-Science

Workshop on 'Cloth Dyeing with Natural Colours'

(In Collaboration with 'Weavers Service Centre')

Co-ordinator: Dr. Minakshi Jain (Associate Professor-Home Science)

Members: 1. Dr Kavita Gautam (Associate Professor-Home Science)

2. Dr. Anupama Johari (Associate Professor-Home Science)

Name of Expert: 1. Shri Tapan Sharma (Deputy Director-Bunkar Seva Kendra)

2. Shri Rishikesh

3. Shri Karmveer

Date: 15-03-2022

Number of Students Participated: 80

GOVERNMENT GIRLS COLLEGE,CHOMU

WORKSHOP ON CLOTH DYEING WITH NATURAL COLOURS HELD ON15-03-2022

GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, CHOMU JAIPUR

Workshop on “Cloth-Dyeing with Natural Colours” by the Department Home Science Date: 15/03/2022

Students Displaying the Samples in the Workshop on “Cloth-Dyeing with Natural Colours” by the Department Home Science Date: 15/03/2022

GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, CHOMU JAIPUR

Tie and Dye Sample Products by the Students

GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, CHOMU JAIPUR

उत्तम स्वास्थ्य हेतु प्राकृतिक रंगों का प्रयोग श्रेष्ठ विकल्प

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर राजकीय कन्या महाविद्यालय के गृह विज्ञान क्लब के तत्वावधान में वीवर्स सर्विस सेंटर, जयपुर के प्रशिक्षकों के सहयोग से प्राकृतिक रंगों से वस्त्रों को रंगने संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस डी गुप्ता ने गृह विज्ञान विषय के अंतर्गत सिखाए जाने वाले विभिन्न कौशलों को अत्यंत जनोपयोगी एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु महत्वपूर्ण बताया। बुनकर सहायता केंद्र, जयपुर से पधारे उपनिदेशक तपन शर्मा ने बुनकर सेवा केंद्र में हथकरघा से बनाए जा रहे विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. मीनाक्षी जैन ने बताया कि उपभोक्ता अधिकारों के अंतर्गत स्वास्थ्य का अधिकार प्रदान किया गया है और उसके लिए रासायनिक रंगों के प्रयोग को त्याग कर प्राकृतिक रंगों का अधिकाधिक प्रयोग ही श्रेष्ठ विकल्प है। ऋषिकेश एवं कर्मवीर ने घर में उपलब्ध विभिन्न सामग्रियों जैसे प्याज, अखरोट एवं अनार के छिलके, मेहंदी व चाय के पत्ते, हल्दी, बबूल की छाल आदि से वस्त्रों को पक्के रंग में रंगने की प्रक्रिया सिखाई। छात्राओं ने स्वयं वस्त्रों को रंगने की प्रक्रिया में उत्साह पूर्वक भाग लिया। डॉ. अनुपमा जौहरी ने कार्यशाला की प्रासंगिकता बताते हुए रंगाई की प्रक्रिया में प्राकृतिक उत्पादों के लाभ की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कविता गौतम ने सभी का

10:09 am